स्वच्छता के प्रति जागरूकता

चर्चा में क्यों?

मध्य प्रदेश के बुरहानपुर में एक स्वयं सहायता समूह की महिलाएँ घर-घर जाकर स्थानीय लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक कर रही हैं।

मुख्य बिंदु:

- नगर निगम ने **क्षेत्र के घरों में स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिये स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को एक विशेष नौकरी की पेशकश** की है, इस कार्य के लिये उन्हें **₹100 का भुगतान** किया जाएगा।
- इस पहल के तहत **वैभव लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह** से जुड़ी महिलाएँ महाजनपेठ और शिकारपुरा जैसे इलाकों में घर-घर जाकर स्थानीय लोगों तक स्वच्छता से जुड़ी जानकारी पहुँचा रही हैं।

स्वयं सहायता समूह (SHG)

- ये उन लोगों के **अनौपचारिक संगठन** हैं जो **अपनी जीवन स्थितियों को बेहतर बनाने** के तरीके खोजने के लिये एकजुट होते हैं।
- इसे **समान सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि वाले** और सामूहिक रूप से सामान्य उद्देश्य पूरा करने के इच्छुक लोगों के **स्व-शासित, सहकर्मी नियंत्रित सूचना समूह** के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।
- गाँवों को **गरीबी, अशिक्षा, कौशल की कमी, औपचारिक ऋण** की कमी आदि से संबंधित कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इन समस्याओं से व्यक्तिगत स्तर पर नहीं निपटा जा सकता है और इसके लिये सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है।
- इस प्रकार SHG **गरीबों और हाशिये पर रहने वाले लोगों** के लिये बदलाव का माध्यम बन सकता है। **स्व-रोज़गार और गरीबी उन्मूलन को प्रोत्साहित करने के लिये** SHG **"स्वयं सहायता"** की धारणा पर निर्भर करता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/spreading-awareness-on-ceanliness